



# VEDANTA IAS ACADEMY

India's No.1 Institute for UPSC Exam

## CIVIL SERVICES (PRELIMINARY) TEST SERIES - 2025

### DO NOT OPEN THIS BOOKLET UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO

Test Booklet Series

### Test 20 (Hindi Language)

Code : VIAS20

Time Allowed : 2 Hours	Maximum Marks : 200
UPSC ROLL NO: .....	REGISTRATION NO: .....
CANDIDATE NAME : .....	FATHER'S NAME : .....
SUBJECT/PAPER : .....	CONTACT NO ; .....
DATE : ..... TIME : .....	INVIGILATOR'S SIGNATURE
CANDIDATE SIGNATURE :	

### (अनिवार्य) / (COMPULSORY) प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

उत्तर हिन्दी में ही लिखे जाएँगे, यदि किसी प्रश्न-विशेष में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए। यदि किसी प्रश्न का उत्तर, निर्धारित शब्द-संख्या की तुलना में काफी लंबा या छोटा है, तो अंकों की कटौती की जा सकती है।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए।

### Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in HINDI unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.



# VEDANTA IAS ACADEMY

India's No.1 Institute for UPSC Exam

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 600 शब्दों में निबंध लिखें

**100 marks**

- (a)उद्देश्य की खोज के बिना प्रगति की खोज निर्थक है।  
 (b)मानव मन एक पिंजरा और एक चाबी दोनों हैं।  
 (c)परिवर्तन सतह पर नहीं, बल्कि अदृश्य जड़ों में शुरू होता है।  
 (d)युद्ध का अभाव शांति नहीं है।
2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्नों के लिए आपका उत्तर केवल गद्यांश पर आधारित होना चाहिए।

**12\*5=60 marks**

## शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रभाव

प्रौद्योगिकी ने आधुनिक जीवन के कई पहलुओं को बदल दिया है, और सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक शिक्षा के क्षेत्र में हुआ है। पहले, कक्षाएं मुख्य रूप से पारंपरिक होती थीं: शिक्षक कक्षा के सामने खड़े होकर पाठ पढ़ाते थे, जबकि छात्र हाथ से नोट्स लिखते थे। पाठ्यपुस्तकों के प्रमुख शैक्षिक सामग्री थीं और इंटरनेट हर घर में उपलब्ध नहीं था। लेकिन आजकल प्रौद्योगिकी ने हमारे सीखने, सिखाने और जानकारी के साथ बातचीत करने के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का सबसे स्पष्ट बदलाव डिजिटल उपकरणों का व्यापक उपयोग है, जैसे लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन। ये उपकरण छात्रों को उनके उंगलियों पर जानकारी का एक विशाल स्रोत प्रदान करते हैं। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे खान एकेडमी, कोर्सरा, और एडेक्स छात्रों को नए विषयों को सीखने, कौशल प्राप्त करने, और यहां तक कि प्रमाणपत्र प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं, वह भी अपने घर की आरामदायक स्थिति से। कुछ मामलों में, ग्रामीण या दूरदराज के इलाकों में रहने वाले छात्र जो पहले अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित थे, अब ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले सकते हैं और वर्चुअल चर्चाओं में शामिल हो सकते हैं।

प्रौद्योगिकी ने व्यक्तिगत सीखने को भी सक्षम किया है। अनुकूलित शिक्षण प्रौद्योगिकियां सामग्री की गति और स्तर को छात्र की प्रगति के आधार पर समायोजित कर सकती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र को उसकी जरूरत के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो। उदाहरण के लिए, यदि एक छात्र गणित में संघर्ष कर रहा है, तो वह अतिरिक्त अभ्यास प्रश्नों के माध्यम से काम कर सकता है या उस अवधारणा को समझने तक और अधिक लक्षित व्याख्याएं प्राप्त कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी ने कक्षा को भी बदल दिया है। इंटरेक्टिव ब्हाइटबोर्ड ने पारंपरिक ब्लैकबोर्ड की जगह ले ली है, और शैक्षिक ऐप्स और खेलों ने सीखने को और अधिक आकर्षक बना दिया है। छात्र वर्चुअल फ़िल्ड ट्रिप्स में भाग ले सकते हैं, दुनिया भर में साथियों के साथ सहयोग कर सकते हैं, और यहां तक कि अपने सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग कर

सकते हैं।

हालांकि, शिक्षा में प्रौद्योगिकी पर बढ़ी निर्भरता ने कुछ चिंताएँ भी उत्पन्न की हैं। एक प्रमुख समस्या डिजिटल डिवाइड है। जबकि कुछ छात्रों के पास उच्च-स्तरीय उपकरण और तेज़ इंटरनेट कनेक्शन हैं, अन्य धीमे कनेक्शन या आवश्यक हार्डवेयर की कमी के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यह असमानता सीखने में महत्वपूर्ण बाधाएं उत्पन्न कर सकती है, विशेष रूप से उन देशों में जहां प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित है।

इसके अलावा, यह चिंता भी व्यक्त की गई है कि प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग से छात्रों के सामाजिक कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से एकांत, निम्न-स्तरीय शारीरिक बातचीत, और आँखों की थकान या खराब मुद्रा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह भी कहा गया है कि डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी और अकादमिक प्रदर्शन में गिरावट का कारण बन सकता है।

इन चुनौतियों के बावजूद, यह कोई संदेह नहीं है कि प्रौद्योगिकी शिक्षा के पर्यादृश्य को गहरे तरीके से बदल रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यह होगा कि डिजिटल उपकरणों के लाभ और मानव इंटरएक्शन तथा आलोचनात्मक सोच के महत्व के बीच संतुलन खोजा जाए।

- (a)प्रौद्योगिकी ने शिक्षा में कौन सा सबसे बड़ा बदलाव लाया है?  
 (b)प्रौद्योगिकी ने दूरदराज या ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों की किस प्रकार सहायता की है?  
 (c)व्यक्तिगत शिक्षा क्या है, और प्रौद्योगिकी इसे कैसे सक्षम बनाती है?  
 (d)शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए शिक्षकों के सामने क्या मुख्य चुनौती है?  
 (e)कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) शिक्षा में किस प्रकार मदद कर रही है?

3. निम्नलिखित गद्यांश का संकल्पन एक तिहाई शब्दों में लिखिए। शीर्षक देने की आवश्यकता नहीं है। संक्षेपण अपनी भाषा में लिखा जाना चाहिए

**60 marks**

आज के समय में प्रौद्योगिकी का हमारे जीवन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। पिछले कुछ दशकों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने जिस गति से विकास किया है, उसने हर क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है। आजकल हम जहां भी देखें, प्रौद्योगिकी का असर दिखता है, चाहे वह शिक्षा हो, चिकित्सा, व्यवसाय, मनोरंजन या यहां तक कि व्यक्तिगत जीवन। प्रौद्योगिकी ने न केवल हमारे कार्य करने के तरीकों को बदला है, बल्कि हमारे जीवन को भी आसान और अधिक प्रभावी बना दिया है।

प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा प्रभाव संचार के क्षेत्र में देखा जा सकता है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने दुनिया भर को एक ग्लोबल गांव बना दिया है। आज हम सोशल मीडिया के माध्यम से एक क्लिक में दुनिया भर के लोगों से जुड़ सकते हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसी



# VEDANTA IAS ACADEMY

India's No.1 Institute for UPSC Exam

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने हमें एक दूसरे से विचार, अनुभव और जानकारी साझा करने के नए तरीके दिए हैं। साथ ही, वीडियो कॉलिंग एप्लिकेशन्स जैसे ज्ञूम, गूगल मीट और स्काइप ने दूर बैठे लोगों के बीच भी वास्तविक समय में संवाद संभव बना दिया है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रौद्योगिकी ने काफी बदलाव किया है। आजकल के विद्यार्थियों के पास इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर की जानकारी है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म जैसे कि खान एकेडमी, कोर्सेरा और एडेक्स ने शिक्षा को अधिक सुलभ और स्स्ती बना दिया है। विद्यार्थी अब घर बैठे अपने पसंदीदा विषयों में कोर्स कर सकते हैं और न केवल अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं, बल्कि नई-नई कौशल भी सीख सकते हैं। इसके अलावा, डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके छात्रों को अधिक इंटरएक्टिव और व्यक्तिगत शिक्षा का अनुभव मिलता है।

कामकाजी दुनिया में भी प्रौद्योगिकी ने काफी बदलाव किए हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियां कार्यों को स्वचालित करने में मदद कर रही हैं, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, आजकल कई लोग घर से काम करने की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, जिसके लिए तकनीकी उपकरण और सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह से प्रौद्योगिकी ने कार्य जीवन को अधिक लचीला और आरामदायक बना दिया है।

हालांकि, प्रौद्योगिकी के फायदों के साथ-साथ कुछ समस्याएं भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड है, यानी कुछ लोगों के पास प्रौद्योगिकी तक पहुंच है, जबकि अन्य इससे वंचित हैं। यह असमानता शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसरों में भेदभाव उत्पन्न कर सकती है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग से मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताने से मानसिक तनाव, अकेलापन और शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इन्हीं चुनौतियों के बावजूद, यह स्पष्ट है कि प्रौद्योगिकी का सही तरीके से उपयोग करने पर यह हमारे जीवन को बेहतर बना सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि हम इसका संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग करें और समाज में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करें। जब हम प्रौद्योगिकी को सही दिशा में प्रयोग में लाएंगे, तो यह न केवल हमारी कार्यशक्ति को बढ़ाएगी, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास में भी योगदान देगी।

अंततः, आजकल की प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। हमें इसका सही उपयोग करना आना चाहिए, ताकि हम इसके फायदों का अधिकतम लाभ उठा सकें और समाज में समानता और समृद्धि ला सकें। जब हम प्रौद्योगिकी को सही तरीके से अपनाएंगे, तो यह हमारे जीवन को और भी बेहतर बना सकती है।

4. निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद करें

**20 marks**

आजकल के समय में प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में इसका प्रभाव बहुत गहरा है। पहले जहां छात्र केवल किताबों और शिक्षकों पर निर्भर होते थे, वहीं अब वे इंटरनेट और विभिन्न डिजिटल उपकरणों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स, जैसे कि खान अकादमी और कोर्सेरा, छात्रों को घर बैठे दुनिया भर के कोर्स करने का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा, स्मार्टफोन, टैबलेट और कंप्यूटर के माध्यम से छात्र किसी भी समय किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग के साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं, जैसे कि डिजिटल डिवाइड और सोशल स्किल्स की कमी। फिर भी, यदि प्रौद्योगिकी का सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति ला सकती है।

5. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद करें

**20 marks**

Language is one of the most fundamental aspects of human life, serving as the primary tool for communication. It is through language that individuals express their thoughts, emotions, and ideas, enabling people to connect, share, and understand one another. Communication, on the other hand, is the broader process that involves exchanging information between individuals or groups. While language is the medium through which communication often takes place, communication itself can also occur through non-verbal means such as gestures, body language, facial expressions, and even silence.

Language serves not only as a means of communication but also as a reflection of culture and identity. Different languages carry unique expressions, idioms, and ways of thinking that represent the traditions, values, and histories of the people who speak them. For example, some languages have words that describe concepts or feelings that do not have direct translations in other languages, highlighting the deep connection between language and culture. In this way, language helps preserve cultural heritage while also fostering a sense of belonging within a community.

Effective communication, however, is more than just the use of language. It requires active listening, clear articulation, and an understanding of both verbal and non-verbal cues. Misunderstandings often arise when the message is not conveyed properly or when



# VEDANTA IAS ACADEMY

India's No.1 Institute for UPSC Exam

there is a lack of attentiveness to the subtle nuances of communication. Non-verbal communication, such as tone of voice, body posture, and eye contact, plays a significant role in ensuring that a message is fully understood. For instance, a simple “yes” can convey different meanings depending on the tone of voice or the accompanying facial expression.

In today's globalized world, language and communication are increasingly important in bridging cultural divides. As people from different parts of the world come into contact more frequently, learning multiple languages and understanding diverse communication styles have become essential for fostering mutual respect and cooperation. Moreover, advancements in technology have revolutionized communication, allowing individuals to interact instantaneously across long distances. Social media, video conferencing, and messaging apps have created new platforms for global communication, breaking down barriers of time and space.

In conclusion, language is an essential tool for communication, facilitating the exchange of ideas and the building of relationships. Effective communication is not just about speaking but also about listening and interpreting both verbal and non-verbal messages. As our world becomes more interconnected, the importance of language and communication in promoting understanding and collaboration cannot be overstated.

6. (a) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखें और उन्हें वाक्य में प्रयोग करें  
**2\*5=10 marks**

- (i) आंखों का तारा
- (ii) नाक में दम करना
- (iii) हाथों की सफाई दिखाना
- (iv) मुँह में राम, बगल में छुरी
- (v) अंधे के हाथ बटेर लगना

(b) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए

**2\*5=10 marks**

- (i) वह स्कूल जाती है हर रोज़ नहीं।
- (ii) मुझे ये किताब पसंद है बहुत।
- (iii) मैं कल बाजार जा रहा हूँ किताब खरीदने के लिए।
- (iv) मैं खाना खा रहा हूँ अभी।
- (v) स्कूल का सबसे अच्छा लड़का वह है।

(c) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए

**2\*5=10 marks**

- (i) साधारण
- (ii) शांत
- (iii) जल्दी
- (iv) सच्चा
- (v) मित्र

(d) निम्नलिखित युग्मों को इस तरह से वाक्य में प्रयोग किजिये कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाये और उनके बीच का अंतर भी शब्दार्थ में लिखित रूप में वर्णित हो

**2\*5=10 marks**

- (i) अविरल – अविकल
- (ii) नीर – नारी
- (iii) नियत – नियति
- (iv) भवन – भुवन
- (v) परिणाम - परिमाण